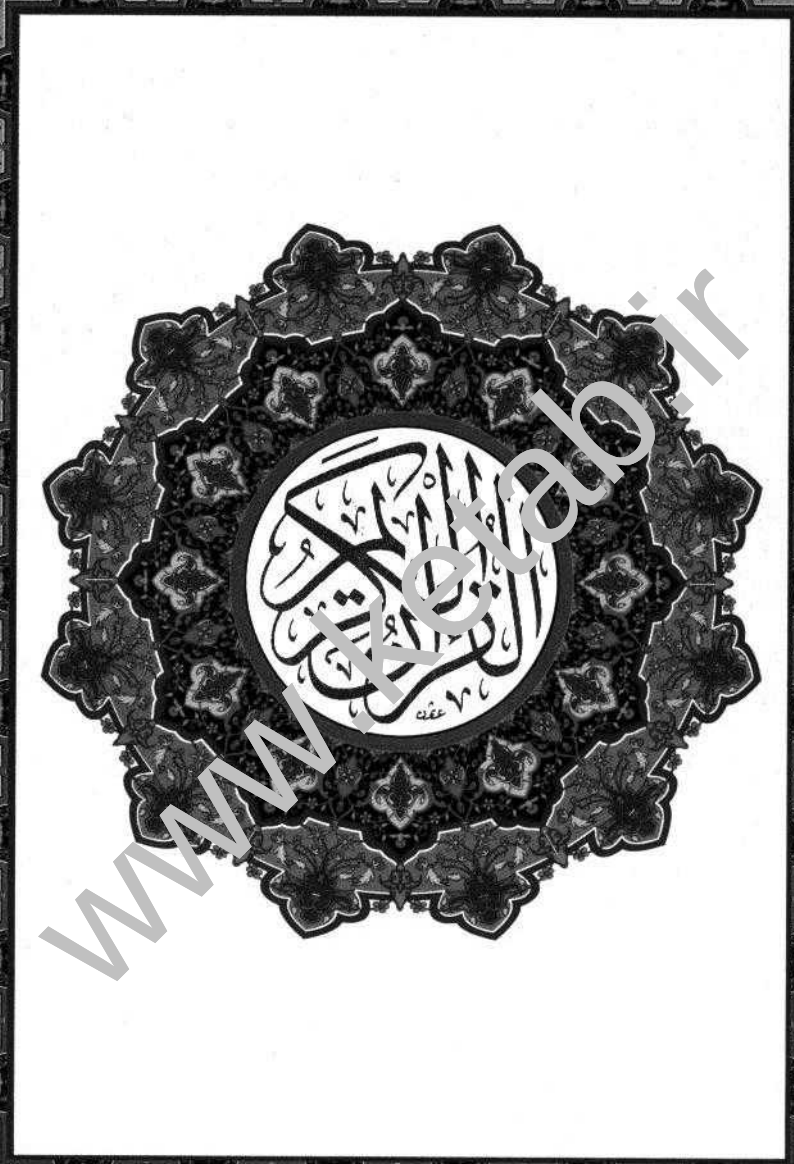




شماره: ۹۳۰۹/۱۳۴۷

تاریخ: ۱۳۹۳/۱۰/۲۱

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ



إِنَّا نَحْنُ نَزَّلْنَا الذِّكْرَ وَإِنَّا لَهُ لَحَافِظُونَ

این مصحف شریف شامل: سی جزء کامل

و با مشخصات:

|                       |                                                                                |
|-----------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| خطاط                  | : عثمان طه                                                                     |
| نوع خط                | : نسخ                                                                          |
| ترجم                  | : حسین انصاریان                                                                |
| دع ترجمه              | : زیر                                                                          |
| ن ترجمه               | : فارسی                                                                        |
| قطع                   | : وزیری (اندازه متن قرآن: ۱۳/۵ × ۲۱ سانتیمتر)                                  |
| تعداد سطوح در هر صفحه | : چهارده                                                                       |
| تعداد صفحات سر قرآن   | : ۶۰۴ (تعداد صفحات قبل از متن: ۵- تعداد صفحات بعد از متن: ۷- مجموع صفحات: ۶۱۶) |

|                   |                |
|-------------------|----------------|
| نوبت چاپ          | : اول          |
| محل چاپ و چاپخانه | : قم- پرستش    |
| تعداد             | : پنج هزار جلد |

در تاریخ ۱۳۹۳/۱۰/۲۰ از جهت استحضار و انطباق با قرائت عاصم به روایت حفص در معاونت نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم سازمان دارالقرآن الکریم بررسی و تصحیح گردید که مراتب در پرونده شماره (۲۹۲۱۰۶۹۱۰۶۱۰۳۱۴۰۶۰۴۳۷) ثبت و چاپ آن توسط انتشارات اترقلم با رعایت مقررات اعلام شده از سوی وزارت فرهنگ و ارشاد اسلامی بلامانع می باشد. بدیهی است انتشار این مصحف شریف پس از چاپ منوط به دریافت مجوز نشر (توزیع) و تجدید چاپ آن مشروط به تأیید مجدد و صدور مجوز تبلیغات معاونت نظارت بر چاپ و نشر قرآن کریم خواهد بود.

و من الله التوفیق  
سازمان دارالقرآن الکریم



۳۳۵۴

۳۳۵۴

تایید می شود

# وَإِذَا قُرِئَ الْقُرْآنُ فَاسْتَمِعُوا لَهُ وَأَنْصِتُوا لَعَلَّكُمْ تُرْحَمُونَ

و چون قرآن قرائت شود همه گوش بدان فرا دهید و سکوت کنید

باشد که مورد لطف و رحمت پروردگار قرار گیرد

سوره مبارکه اعراف آیه ۲۰۴

م. ک. ب : قرآن کریم

ترجمه : استاد حسین انصاریان

ناشر : اثر قلم

چاپخانه : پرستش

نوبت چاپ : اول / ۱۳۹۳

تیراژ : ۵۰۰۰ جلد

شابک : ۹۷۸-۶۰۰-۲۵۰۲-۳-۴

مرکز پخش:

فروشگاه کتاب پرنیان

آدرس: قم- خیابان ارم- نبش کوچه ۲۰

تلفن: ۳۷۷۳۰۰۰۰ - ۳۷۷۴۲۵۰۰ (۰۲۵)

فَهْمٌ بِأَسْمَاءِ السُّورِ وَبَيَانِ الْيُكُونِ وَالْمَدَنِيِّ مِنْهَا

| السُّورَةُ | رَقْمُهَا | الصفحة | البَيَان   | السُّورَةُ | رَقْمُهَا | الصفحة | البَيَان   |
|------------|-----------|--------|------------|------------|-----------|--------|------------|
| الحديد     | ٥٧        | ٥٣٧    | مَدَنِيَّة | الطارق     | ٨٦        | ٥٩١    | مَكِّيَّة  |
| المجادلة   | ٥٨        | ٥٤٢    | مَدَنِيَّة | الأعلى     | ٨٧        | ٥٩١    | مَكِّيَّة  |
| الحشر      | ٥٩        | ٥٤٥    | مَدَنِيَّة | الغاشية    | ٨٨        | ٥٩٢    | مَكِّيَّة  |
| الممتحنة   | ٦٠        | ٥٤٩    | مَدَنِيَّة | الفجر      | ٨٩        | ٥٩٣    | مَكِّيَّة  |
| الصف       | ٦١        | ٥٥١    | مَدَنِيَّة | البلد      | ٩٠        | ٥٩٤    | مَكِّيَّة  |
| الجمعة     | ٦٢        | ٥٥٣    | مَدَنِيَّة | الشمس      | ٩١        | ٥٩٥    | مَكِّيَّة  |
| المنافقون  | ٦٣        | ٥٥٤    | مَدَنِيَّة | الليل      | ٩٢        | ٥٩٥    | مَكِّيَّة  |
| التغاث     | ٦٤        | ٥٥٦    | مَدَنِيَّة | الضحى      | ٩٣        | ٥٩٦    | مَكِّيَّة  |
| الطلاق     | ٦٥        | ٥٥٨    | مَدَنِيَّة | الشرح      | ٩٤        | ٥٩٦    | مَكِّيَّة  |
| التحريم    | ٦٦        | ٥٦٠    | مَدَنِيَّة | التين      | ٩٥        | ٥٩٧    | مَكِّيَّة  |
| الملك      | ٦٧        | ٥٦١    | مَكِّيَّة  | العلق      | ٩٦        | ٥٩٧    | مَكِّيَّة  |
| القلم      | ٦٨        | ٥٦٢    | مَكِّيَّة  | القدر      | ٩٧        | ٥٩٨    | مَكِّيَّة  |
| الحاقة     | ٦٩        | ٥٦٦    | مَدَنِيَّة | البينة     | ٩٨        | ٥٩٨    | مَدَنِيَّة |
| المعارج    | ٧٠        | ٥٦٨    | مَدَنِيَّة | الزلزلة    | ٩٩        | ٥٩٩    | مَدَنِيَّة |
| نوح        | ٧١        | ٥٧٠    | مَكِّيَّة  | العاديات   | ١٠٠       | ٥٩٩    | مَكِّيَّة  |
| الجين      | ٧٢        | ٥٧٢    | مَكِّيَّة  | القارعة    | ١٠١       | ٦٠٠    | مَكِّيَّة  |
| الزمل      | ٧٣        | ٥٧٤    | مَكِّيَّة  | التكوير    | ١٠٢       | ٦٠٠    | مَكِّيَّة  |
| المدثر     | ٧٤        | ٥٧٥    | مَكِّيَّة  | العصر      | ١٠٣       | ٦٠١    | مَكِّيَّة  |
| القيامة    | ٧٥        | ٥٧٧    | مَكِّيَّة  | الهمزة     | ١٠٤       | ٦٠١    | مَكِّيَّة  |
| الإنسان    | ٧٦        | ٥٧٨    | مَدَنِيَّة | الفيل      | ١٠٥       | ٦٠١    | مَكِّيَّة  |
| المرسلات   | ٧٧        | ٥٨٠    | مَكِّيَّة  | قريش       | ١٠٦       | ٦٠٢    | مَكِّيَّة  |
| التبلي     | ٧٨        | ٥٨٢    | مَكِّيَّة  | الماعون    | ١٠٧       | ٦٠٢    | مَكِّيَّة  |
| التازعات   | ٧٩        | ٥٨٣    | مَكِّيَّة  | الكوثر     | ١٠٨       | ٦٠٢    | مَكِّيَّة  |
| عبس        | ٨٠        | ٥٨٥    | مَكِّيَّة  | الكافرون   | ١٠٩       | ٦٠٣    | مَكِّيَّة  |
| التكوير    | ٨١        | ٥٨٦    | مَكِّيَّة  | النصر      | ١١٠       | ٦٠٣    | مَدَنِيَّة |
| الافطار    | ٨٢        | ٥٨٧    | مَكِّيَّة  | المسد      | ١١١       | ٦٠٣    | مَكِّيَّة  |
| المطففين   | ٨٣        | ٥٨٧    | مَكِّيَّة  | الإخلاص    | ١١٢       | ٦٠٤    | مَكِّيَّة  |
| الانشقاق   | ٨٤        | ٥٨٩    | مَكِّيَّة  | الفلق      | ١١٣       | ٦٠٤    | مَكِّيَّة  |
| البروج     | ٨٥        | ٥٩٠    | مَكِّيَّة  | الناس      | ١١٤       | ٦٠٤    | مَكِّيَّة  |

## فَهْرَسْتُ بِأَسْمَاءِ السُّورِ وَبَيَانِ الْبَيَانِ وَالْمَدَنِيِّ مِنْهَا

| السُّورَة     | رَقْمُهَا | الصفحة | البَيَان  | السُّورَة    | رَقْمُهَا | الصفحة | البَيَان  |
|---------------|-----------|--------|-----------|--------------|-----------|--------|-----------|
| الفَاتِحَة    | ١         | ١      | مَكِّيَة  | العَنَكَبُوت | ٢٩        | ٣٩٦    | مَكِّيَة  |
| البَقَرَة     | ٢         | ٢      | مَدَنِيَة | الرُّوم      | ٣٠        | ٤٠٤    | مَكِّيَة  |
| آل عِمْرَان   | ٣         | ٥٠     | مَدَنِيَة | لُقْمَان     | ٣١        | ٤١١    | مَكِّيَة  |
| النِّسَاء     | ٤         | ٧٧     | مَدَنِيَة | السَّجْدَة   | ٣٢        | ٤١٥    | مَكِّيَة  |
| المَائِدَة    | ٥         | ١٠٦    | مَدَنِيَة | الأَحْزَاب   | ٣٣        | ٤١٨    | مَدَنِيَة |
| الْأَنْعَام   | ٦         | ١٢٨    | مَكِّيَة  | سَبَأ        | ٣٤        | ٤٢٨    | مَكِّيَة  |
| الأَعْرَاف    | ٧         | ١٥١    | مَكِّيَة  | فَاطِر       | ٣٥        | ٤٣٤    | مَكِّيَة  |
| الْأَنْفَال   | ٨         | ١٧٧    | مَدَنِيَة | يَس          | ٣٦        | ٤٤٠    | مَكِّيَة  |
| التَّوْبَة    | ٩         | ١١٧    | مَدَنِيَة | الصَّافَّات  | ٣٧        | ٤٤٦    | مَكِّيَة  |
| يُونُس        | ١٠        | ٢٠٨    | مَكِّيَة  | ص            | ٣٨        | ٤٥٣    | مَكِّيَة  |
| هُود          | ١١        | ٢١١    | مَكِّيَة  | الرُّمُر     | ٣٩        | ٤٥٨    | مَكِّيَة  |
| يُوسُف        | ١٢        | ٢٣٥    | مَكِّيَة  | عَافِر       | ٤٠        | ٤٦٧    | مَكِّيَة  |
| الرَّعْد      | ١٣        | ٢٤٩    | مَدَنِيَة | فُصِّلَتْ    | ٤١        | ٤٧٧    | مَكِّيَة  |
| إِبْرَاهِيم   | ١٤        | ٢٥٥    | مَكِّيَة  | الشُّورَى    | ٤٢        | ٤٨٣    | مَكِّيَة  |
| الحَاجَر      | ١٥        | ٢٦٢    | مَكِّيَة  | الرَّخُوف    | ٤٣        | ٤٨٩    | مَكِّيَة  |
| التَّحَلُّ    | ١٦        | ٢٦٧    | مَكِّيَة  | الدَّخَان    | ٤٤        | ٤٩٦    | مَكِّيَة  |
| الْإِسْرَاء   | ١٧        | ٢٨٢    | مَكِّيَة  | الجَاثِيَة   | ٤٥        | ٤٩٩    | مَكِّيَة  |
| الكَهْف       | ١٨        | ٢٩٣    | مَكِّيَة  | الأَحْقَاف   | ٤٦        | ٥٠٢    | مَكِّيَة  |
| مَرْيَم       | ١٩        | ٣٠٥    | مَكِّيَة  | مُحَمَّد     | ٤٧        | ٥٠٧    | مَدَنِيَة |
| طه            | ٢٠        | ٣١٢    | مَكِّيَة  | الْفَتْح     | ٤٨        | ٥١١    | مَدَنِيَة |
| الْأَنْبِيَاء | ٢١        | ٣٢٢    | مَكِّيَة  | الحُجُرَات   | ٤٩        | ٥١٥    | مَدَنِيَة |
| الحَكِّ       | ٢٢        | ٣٣٢    | مَدَنِيَة | ق            | ٥٠        | ٥١٨    | مَكِّيَة  |
| المُؤْمِنُون  | ٢٣        | ٣٤٢    | مَكِّيَة  | الذَّارِيَات | ٥١        | ٥٢٠    | مَكِّيَة  |
| النُّور       | ٢٤        | ٣٥٠    | مَدَنِيَة | الطُّور      | ٥٢        | ٥٢٣    | مَكِّيَة  |
| الْفُرْقَان   | ٢٥        | ٣٥٩    | مَكِّيَة  | النَّجْم     | ٥٣        | ٥٢٦    | مَكِّيَة  |
| الشَّعْرَاء   | ٢٦        | ٣٦٧    | مَكِّيَة  | القَمَر      | ٥٤        | ٥٢٨    | مَكِّيَة  |
| التَّمَلُّ    | ٢٧        | ٣٧٧    | مَكِّيَة  | الرَّحْمَن   | ٥٥        | ٥٣١    | مَدَنِيَة |
| الْفَصَّص     | ٢٨        | ٣٨٥    | مَكِّيَة  | الوَاقِعَة   | ٥٦        | ٥٣٤    | مَكِّيَة  |

# فهرست الفبایی سوره‌ها

| نام سوره | شماره | صفحه |
|----------|-------|------|
| قلم      | ۶۸    | ۵۶۴  |
| قمر      | ۵۴    | ۵۲۸  |
| قیامت    | ۷۵    | ۵۷۷  |
| کافرون   | ۱۰۹   | ۶۰۳  |
| کوثر     | ۱۰۸   | ۶۰۲  |
| کهف      | ۱۸    | ۲۹۳  |
| لقمان    | ۳۱    | ۴۱۱  |
| لیل      | ۹۲    | ۵۹۵  |
| مانده    | ۵     | ۱۰۶  |
| ماعون    | ۱۰۷   | ۶۰۲  |
| مجادله   | ۵۸    | ۵۴۲  |
| محمد     | ۴۷    | ۵۰۷  |
| مذکر     | ۷۴    | ۵۷۵  |
| مرسلات   | ۷۷    | ۵۸۰  |
| مریم     | ۱۹    | ۳۰۵  |
| مزل      | ۷۳    | ۵۷۴  |
| مسند *   | ۱۱۱   | ۶۰۳  |
| مطففین   | ۸۳    | ۵۸۷  |
| مغارج    | ۷۰    | ۵۶۸  |
| ملک      | ۶۷    | ۵۶۲  |
| ممتحنه   | ۶۰    | ۵۴۸  |
| منافقون  | ۶۳    | ۵۵۴  |
| مؤمن *   | ۴۰    | ۴۶۷  |
| مؤمنون   | ۲۳    | ۳۴۲  |
| نارعات   | ۷۹    | ۵۸۳  |
| ناس      | ۱۱۴   | ۶۰۴  |
| نبأ      | ۷۸    | ۵۸۲  |
| نجم      | ۵۳    | ۵۲۶  |
| نحل      | ۱۶    | ۲۶۷  |
| نسا      | ۴     | ۷۷   |
| نصر      | ۱۱۰   | ۶۰۳  |
| نمل      | ۲۷    | ۳۷۷  |
| نوح      | ۷۱    | ۵۷۰  |
| نور      | ۲۴    | ۳۵۰  |
| واقعہ    | ۵۶    | ۵۳۴  |
| ہمزہ     | ۱۰۴   | ۶۰۱  |
| ہود      | ۱۱    | ۲۲۱  |
| یس       | ۳۶    | ۴۴۰  |
| یوسف     | ۱۲    | ۲۳۵  |
| یونس     | ۱۰    | ۲۰۸  |

| نام سوره | شماره | صفحه |
|----------|-------|------|
| دھر *    | ۷۶    | ۵۷۸  |
| ذاریات   | ۵۱    | ۵۲۰  |
| رحمن     | ۵۵    | ۵۳۱  |
| رعد      | ۱۳    | ۲۴۹  |
| روم      | ۳۰    | ۴۰۴  |
| زخرف     | ۴۳    | ۴۸۹  |
| زلزلہ    | ۹۹    | ۵۹۹  |
| زمر      | ۳۹    | ۴۵۸  |
| سبا      | ۳۴    | ۴۲۸  |
| سجدہ     | ۳۲    | ۴۱۵  |
| شرح *    | ۹۴    | ۵۹۶  |
| شعراء    | ۲۶    | ۳۶۷  |
| شمس      | ۹۱    | ۵۹۵  |
| شوری     | ۴۲    | ۴۸۳  |
| ص        | ۳۸    | ۴۵۳  |
| صافات    | ۳۷    | ۴۴۶  |
| صف       | ۶۱    | ۵۵۱  |
| ضحی      | ۹۳    | ۵۹۶  |
| طہ       | ۸۶    | ۵۹۱  |
| طلاق     | ۶۵    | ۵۵۸  |
| طہ       | ۳۱۲   | ۳۱۲  |
| طہ       | ۵۲    | ۵۲۳  |
| عادیات   | ۱۰۰   | ۵۹۹  |
| عنس      | ۹۰    | ۵۸۱  |
| عصر      | ۶۰    | ۶۰۱  |
| علق      | ۹۶    | ۹۹۷  |
| عنکبوت   | ۲۹    | ۲۰۶  |
| غاشیہ    | ۸۸    | ۵۹۲  |
| غافر *   | ۴۰    | ۴۶۷  |
| فاتحہ *  | ۱     | ۱    |
| فاطر     | ۳۵    | ۴۳۴  |
| فتح      | ۴۸    | ۵۱۱  |
| فجر      | ۸۹    | ۵۹۳  |
| فرقان    | ۲۵    | ۳۵۹  |
| فصلت *   | ۴۱    | ۴۷۷  |
| فلق      | ۱۱۳   | ۶۰۴  |
| فیل      | ۱۰۵   | ۶۰۱  |
| ق        | ۵۰    | ۵۱۸  |
| قارعه    | ۱۰۱   | ۶۰۰  |
| قدر *    | ۹۷    | ۵۹۸  |
| قریش     | ۱۰۶   | ۶۰۲  |
| قصص      | ۲۸    | ۳۸۵  |

| نام سوره      | شماره | صفحه |
|---------------|-------|------|
| آل عمران      | ۳     | ۵۰   |
| ابراہیم       | ۱۴    | ۲۵۵  |
| احزاب         | ۳۳    | ۴۱۸  |
| احقاف         | ۴۶    | ۵۰۲  |
| احلاص *       | ۱۱۲   | ۶۰۴  |
| اسراء *       | ۱۷    | ۲۸۲  |
| اعراف         | ۷     | ۱۵۱  |
| اعلی          | ۸۷    | ۵۹۱  |
| انا انزلناه * | ۹۷    | ۵۹۸  |
| انبیاء        | ۲۱    | ۳۲۲  |
| انسان *       | ۷۶    | ۵۷۸  |
| انشراح *      | ۹۴    | ۵۹۶  |
| انشقاق        | ۱۰۳   | ۵۸۹  |
| انعام         | ۶     | ۱۲۸  |
| انفال         | ۸     | ۷۷   |
| انفطار        | ۸۲    | ۱۰۷  |
| مرائت *       | ۹     | ۱۸۷  |
| بروج          | ۸۵    | ۵۱۰  |
| بقرة          | ۲     | ۲    |
| بلد           | ۹۰    | ۵۹۴  |
| بنی اسرائیل * | ۱۷    | ۲۸۲  |
| بنہ           | ۹۸    | ۵۹۸  |
| تبت *         | ۱۱۱   | ۶۰۳  |
| تحریم         | ۶۶    | ۵۶۰  |
| تغابن         | ۶۴    | ۵۵۶  |
| تکاتر         | ۱۰۲   | ۶۰۰  |
| تکویر         | ۸۱    | ۵۸۶  |
| توبہ *        | ۹     | ۱۸۷  |
| توحید *       | ۱۱۲   | ۶۰۴  |
| تین           | ۹۵    | ۵۹۷  |
| جاثیہ         | ۴۵    | ۴۹۹  |
| جمعه          | ۶۲    | ۵۵۳  |
| جن            | ۷۲    | ۵۷۲  |
| حاقہ          | ۶۹    | ۵۶۶  |
| حج            | ۲۲    | ۳۳۲  |
| حجر           | ۱۵    | ۲۶۲  |
| حجرات         | ۴۹    | ۵۱۵  |
| حدید          | ۵۷    | ۵۳۷  |
| حشر           | ۵۹    | ۵۴۵  |
| حمد *         | ۱     | ۱    |
| حم سجدہ *     | ۴۱    | ۴۷۷  |
| دخان          | ۴۴    | ۴۹۶  |